12. शिक्षा और संस्कृति

• पाठ का सारांश

- अहिंसक प्रतिरोध सबसे बढ़िया शिक्षा है। वह बच्चों को मिलने वाली साधारण उक्षतर-ज्ञान की शिक्षा के बाद नहीं, पहले होनी चाहिए। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि बच्चे को वह वर्णमाला लिखे और सांसारिक ज्ञान प्राप्त करे उसके पहले यह जानना चाहिए कि आत्मा क्या है, सत्य क्या है, प्रेम क्या है और आत्मा में क्या-क्या शक्तियाँ छुपी हुई हैं।
- मेरी राय में बुद्धि की सच्ची शिक्षा शरीर की स्थूल इन्द्रियों अर्थात् हाथ, पैर, आँख, कान, नाक वगैरह के ठीक-ठीक उपयोग और तालीम के द्वारा ही हो सकता है। आध्यात्मिक शिक्षा से मेरा अभिप्राय हृदय की शिक्षा है। इसलिए मस्तिष्क का ठीक-ठीक और सर्वांगीण विकास तभी हो सकता है, जब साथ-साथ बच्चे की शारीरिक और आध्यात्मिक शक्तियों की भी शिक्षा होती रहे।
- शिक्षा से मेरा अभिप्राय यह है कि बच्चे और मनुष्य के शरीर बुद्धि और आत्मा के सभी उत्तम गुणों को प्रयास किया जाए। पढ़ना-लिखना शिक्षा का अन्त तो है ही नहीं, वह आदि भी नहीं है। मैं चाहता हूँ कि सारी शिक्षा किसी दस्तकारी या उद्योगों के द्वारा दी जाए।
- आपको यह ध्यान में रखना चाहिए कि प्रारंभिक शिक्षा में सफाई, तन्दुरूस्ती, भोजनशास्त्र, अपना काम आप करने और घर पर माता-पिता को मदद देने वगैरह के मूल सिद्धान्त शामिल हों।
- जब भारत को स्वराज्य मिल जाएगा तब शिक्षा का ध्येय होगा? चरित्र-निर्माण। मैं साहस, बल, सदाचार और बड़े लक्ष्य के लिए काम करने में आत्मोत्सर्ग की शक्ति का विकास कराने की कोशिश करूँगा। यह साक्षरता से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है, किताबी ज्ञान तो उस बड़े उद्देश्य का एक साधनमात्र है। यह अच्छी मितव्ययिता होगी यदि हम विद्यार्थियों का एक अलग वर्ग ऐसा रख दें, जिसका काम यह हो कि संसार की भिन्न-भिन्न भाषाओं में से सीखने की उत्तम बातें वह ज्ञान ले और उनके अनुवाद देशी भाषाओं में करके देता रहे। मेरा नम्रतापूर्वक यह कथन जरूर है कि दूसरी संस्कृतियों की समझ और कद्र स्वयं अपनी संस्कृति है। मैं नहीं चाहता कि मेरे घर के चारों ओर दीवारें खड़ी कर दी जायें और मेरी खिड़कियाँ बन्द कर दी जायें। मैं चाहता हूँ कि सब देशों की संस्कृतियों की हवा मेरे घर के चारों ओर अधिक-से-अधिक स्वतंत्रता के साथ बहती रहे। मगर मैं उनमें से किसी के झोंक में उड़ नहीं
- जाऊँगा। लेकिन मैं नहीं चाहता हूँ कि भारतवासी अपनी मातृभाषा को भूल जाए, उसकी उपेक्षा करे, उस पर शर्मिन्दा हो।

12. शिक्षा और संस्कृति

* लेखक परिचय *

लेखक - महात्मा गाँधी

जन्म – 2 Oct 1869 (पोरबंदर,गुजरात)

पिता - करमचंद गाँधी

माता - पुतली बाई

पत्नी - कस्तुरबा गाँधी

→ 4 Dec 1888 में वकालत करने लंदन गये।

→ गाँधीजी 1893 से 1919 ई० तक रहे। वापस 15

→ हथियार - सत्य और अहिंसा

→ स्वराज की मांग, अधुत्तोंदार, स्वदेशी का नारा, ऊँच-नीच जाती धर्म, गुलामी से आजादी इस काम में गाँधी जी काफी सक्रिय थें |

→ रविन्द्र नाथ टैगोर ने सबसे पहले इन्हे महात्मा कहा |

→ पुस्तक - हिन्द स्वाराज, सत्य के साथ, मेरा प्रयोग

→ पत्रिका - हरिजन, यंग इंडिया

→ मृत्यु – 30 jan 1998 में

12. शिक्षा और संस्कृति

Short answer question

1. (i) वर्णमाला का ज्ञान और सांसारिक ज्ञान के पहले बच्चे को क्या जानना चाहिए?

उत्तर - वर्णमाला का ज्ञान और सांसारिक ज्ञान के पहले बच्चे को आत्मा, सत्य और प्रेम के बारे में जानना चाहिए। उसे यह जानना चाहिए कि आत्मा में कैसी-कैसी शक्तियाँ छिपी हुई हैं।

(ii) अहिंसक प्रतिरोध की शिक्षा बच्चों को कब मिलनी चाहिए?

उत्तर - अक्षर ज्ञान के पहले ही बच्चों को अहिंसक प्रतिरोध की शिक्षा मिलनी चाहिए। गाँधीजी सबसे बढ़िया शिक्षा अहिंसक प्रतिरोध को मानते हैं। क्योंकि, यह आत्मा को प्रभावित करता है और चित्त को निर्मल और शुद्ध कर देता है। अहिंसक प्रतिरोध से विपक्ष की शारीरिक क्षति नहीं होती, उसके मन की दुर्भावनाओं और पापपूर्ण अनैतिक आचरणों का नाश होता है।

(iii) गाँधीजी के अनुसार, शिक्षा का जरूरी अंग क्या होना चाहिए?

उत्तर - गाँधीजी के अनुसार, शिक्षा का जरूरी अंग है कि बालक प्रेम से घृणा को तथा सत्य से असत्य को पराजित करने की कला सीखे तथा आत्मबल से हिंसा पर विजय पाए।

(iv) गाँधीजी ने बच्चों को किस ढंग की तालीम देने की भरसक कोशिश की थी ? गाँधीजी के पास कैसा अनुभव था ?

उत्तर - गाँधीजी ने सत्याग्रह - संग्राम के उत्तरार्द्ध में बच्चों को अहिंसक प्रतिरोध की शिक्षा देने की भरपूर कोशिश की थी। उन्होंने टॉल्सटॉय फार्म और फिनिक्स आश्रम में बच्चों को यह शिक्षा देने की भरपूर कोशिश की थी कि जीवन-संग्राम में प्रेम से घृणा को, सत्य से असत्य को तथा अपने कष्ट झेलकर यानी अहिंसा से हिंसा को किस तरह परास्त किया जा सकता है। उन्होंने जीवन-संग्राम में इस सत्य का अनुभव किया था कि प्रेम से घृणा को, सत्य से असत्य को और अहिंसा से हिंसा को परास्त किया जा सकता है।

2. (i) गाँधीजी ने किस प्रकार की शिक्षा देने पर बल दिया है?

उत्तर - गाँधीजी ने उपयोगी दस्तकारी की शिक्षा देने पर बल दिया है।

(ii) महात्मा गाँधी के अनुसार, प्रारंभिक शिक्षा में किन मौलिक सिद्धांतों को सम्मिलित किया जाना चाहिए?

उत्तर - महात्मा गाँधी का मानना है कि प्रारंभिक शिक्षा में सफाई (स्वच्छता), तंदुरुस्ती (स्वास्थ्य), पाकशास्त्र तथा घर पर माता-पिता को मदद देने के मूल सिद्धांत सम्मिलित होने चाहिए। साक्षरता से अधिक महत्त्वपूर्ण है स्वच्छता, स्वावलंबन का ज्ञान, साहस, बल, सदाचार और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आत्मोत्सर्ग की शक्ति का विकास। किताबी ज्ञान स्वधन है, साध्य नहीं ।

3. **(i) इंद्रियों का बुद्धिपूर्वक उपयोग सीखना क्यों जरूरी है?**

उत्तर - गाँधीजी कहते थे कि बच्चे यदि इंद्रियों का बुद्धिपूर्वक उपयोग करना सीख लेते हैं तो उनका बौद्धिक विकास शीघ्रता और उत्तमता के साथ हो सकता है। यदि बच्चों को यह सिखाया जाए कि वे स्थूल इंद्रियों; जैसे – हाथ, पैर, आँख, कान, नाक आदि का ठीक-ठीक उपयोग कैसे करें, तो उनका बौद्धिक शिक्षण सही विधि से हो सकेगा।

(ii) गाँधीजी कताई और धुनाई जैसे ग्रामोद्योगों द्वारा सामाजिक क्रांति कैसे संभव मानते थे ?

उत्तर - गाँधीजी कताई और धुनाई जैसे ग्रामोद्योगों द्वारा सामाजिक क्रांति को संभव मानते थे। उनकी दृष्टि में ऐसे ग्रामोद्योग सामाजिक संरचना में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव ला सकते थे, और वह भी बिना किसी संघर्ष और विरोध के । फलतः, गाँवों का दिनानुदिन होनेवाला ह्रास रुक जाएगा। इन ग्रामोद्योगों को बढ़ावा देने से समाज में न्याय-व्यवस्था की नींव पड़ेगी तथा गरीब-अमीर का अप्राकृतिक भेदभाव कमजोर होगा। इनके चलते प्रत्येक व्यक्ति अपना गुजर-बसर अच्छी तरह कर सकेगा और सबके भीतर स्वतंत्रता की भावना का उदय होगा।

4. **गाँधीजी के अनुसार शिक्षा का जरूरी अंग क्या होना चाहिए?**

उत्तर - गाँधीजी के अनुसार, शिक्षा का जरूरी अंग यह होना चाहिए कि बालक जीवन के संग्राम में प्रेम से घृणा को, सत्य से असत्य को और कष्ट सहन से हिंसा को आसानी के साथ जीतना सीखें।

5. **गाँधीजी किस तरह के सामंजस्य को भारत के लिए बेहतर मानते हैं, और क्यों ?**

उत्तर - गाँधीजी प्राकृतिक सामंजस्य को भारत के लिए बेहतर मानते हैं । प्राकृतिक सामंजस्य के कारण विभिन्न संस्कृतियाँ एक-दूसरे को प्रभावित करती हुई एक बृहत्तर संस्कृति का निर्माण करती

हैं। इस प्रकार के सामंजस्य में कोई संस्कृति न तो बड़ी होती है और न छोटी। प्राकृतिक सामंजस्य की स्थिति में सारी संस्कृतियों का अपना- अपना अस्तित्व सुरक्षित रहता है। भारत विभिन्न संस्कृतियों का संगम स्थल है। यदि विभिन्न संस्कृतियों में स्वाभाविक सामंजस्य बना रहता है तो भारत की प्रगति को कोई अवरुद्ध नहीं कर सकता।

6. "मैं चाहता हूँ कि सारी शिक्षा किसी, दस्तकारी या उद्योगों के द्वारा दी जाए।" गाँधीजी के इस कथन का आशय लिखें।

उत्तर - गाँधीजी के विचार में शिक्षा-प्रक्रिया में किसी दस्तकारी या उद्योगों का प्रमुख हाथ होना चाहिए। दस्तकारी या उद्योगों को केंद्र में रखकर उनके माध्यम से दी जानेवाली शिक्षा के दो लाभ हैं— जीवन का अर्थ समझ में आ जाता है तथा जीविकोपार्जन का सहज साधन भी प्राप्त हो जाता है। पहले शिक्षा ग्रहण कर लेना और बाद में जीविकोपार्जन के संबंध में सोचना असंगत शिक्षा-प्रक्रिया है।

12. शिक्षा और संस्कृति

1. 'शिक्षा और संस्कृति किसकी रचना है?

(A) भीमराव अंबेदकर

(B) महात्मा गाँधी

(C) नलिन विलोचन शर्मा

(D) यतीन्द्र मिश्र

Ans – B

2. महात्मा गाँधी के पिता का क्या नाम था ?

(A) धरमचंद गाँधी

(B) मीरचंद गाँधी

(C) हरचंद गाँधी

(D) करमचंद गाँधी

Ans -D

3. राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का जन्म कब हुआ था?

(A) 14 अप्रैल, 1891 ई०.

(B) 2 अक्टूबर, 1869 ई०

(C) 6 दिसम्बर, 1823 ई०

(D) 10 नवम्बर, 1891 ई०

Ans -B

4. गाँधीजी का दक्षिण अफ्रीका प्रवास कब से कब तक था?

(A) 1893 ई० से 1914 ई० तक

(B) 1892 ई० से 1913 ई० तक

(C) 1894 ई० से 1914 ई० तक

(D) 1893 ई० से 1913 ई० तक

Ans -A

5. दक्षिण अफ्रीका से गाँधी जी भारत कब लौटे?

(A) 1914 ई० में

(B) 1915 ई० में

(C) 1918 ई० में

(D) 1916 ई० में

Ans -B

6. गाँधीजी का देहांत कब हुआ?

(A) 30 जनवरी, 1945 ई०

(B) 30 जनवरी, 1947 ई०

(C) 26 जनवरी, 1948 ई०

(D) 30 जनवरी, 1948 ई०

Ans -D

7. 'बापू' कहकर कृतज्ञ राष्ट्र किन्हे याद करता है?

(A) महात्मा गाँधी को

(B) नेहरू को

(C) अंबेदकर को

(D) सुभाषचन्द्र बोस को

Ans -A

8. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अहिंसा दिवस कब मनाया जाता है?

(A) 14 नवम्बर

(B) 14 अप्रैल

(C) 2 अक्टूबर

(D) 14 अगस्त

Ans -C

9. भारत के 'राष्ट्रपिता' किसे कहा जाता है?

(A) महात्मा गाँधी

(B) जवाहरलाल नेहरू

(C) रवीन्द्रनाथ ठाकुर

(D) सुभाषचन्द्र बोस

Ans -A

10. किनके जन्म दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में मनाया जाता है?

(A) राजेन्द्र प्रसाद

(B) नेहरू

(C) सरदार पटेल

(D) महात्मा गाँधी

Ans -D

11. रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने गाँधीजी को क्या कहा?

(A) महात्मा

(B) बापू

(C) राष्ट्रपिता

(D) मोहन दास

Ans -A

12. अंग्रेजों के खिलाफ अहिंसा का पहला प्रयोग कहाँ हैं |

(A) लंदन

(B) जापान

(C) दक्षिण अफ्रीका

(D) अमेरिका

Ans -C

13. गाँधीजी द्वारा लिखित पुस्तक है-

(A) हिंद स्वराज

(B) सत्यार्थ प्रकाश

(C) भारत की खोज

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans -A

14. शिक्षा से मेरा अभिप्राय यह है कि बच्चे और मनुष्य के शरीर, वुद्धि और आत्मा के सभी उत्तम गुणों को प्रगट किया जाय। पढ़ना लिखना शिक्षा का अंत तो है ही नहीं; वह आदि भी नहीं है। यह कथन किनका है?

(A) सरदार पटेल

(B) महात्मा गाँधी

(C) नेहरू

(D) राजेन्द्र प्रसाद

Ans -B

15. मैं चाहता हूँ कि सारी शिक्षा किसी दस्तकारी या उद्योगों के द्वारा दी जाए। गद्यांश किस पाठ का है और इसके लेखक कौन हैं?

(A) विष के दाँत — नलिन विलोचन शर्मा

(B) श्रम विभाजन और जाति प्रथा — भीमराव अंबेदकर

(C) भारत से हम क्या सीखे — मैक्समूलर

(D) शिक्षा और संस्कृति – महात्मा गाँधी

Ans -D

16. 'यंग इंडिया' पत्रिका का संपादन किनके द्वारा किया गया था?

(A) जवाहरलाल नेहरू

(B) राजेन्द्र प्रसाद

(C) महात्मा गाँधी

(D) अंबेदकर

Ans -C

17. इनमें से किस पत्रिका का संपादन गाँधीजी ने किया था?

(A) हरिजन

(C) मनोरमा

(B) विश्व भारती

(D) आनंद कादंबिनी

Ans -A

18. 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' किनकी रचना है?

(A) जवाहरलाल नेहरू

(B) रवीन्द्रनाथ ठाकुर

(C) महात्मा गाँधी

(D) सरदार पटेल

Ans -C

19. आध्यात्मिक शिक्षा से गाँधीजी का क्या अभिप्राय है?

(A) पुस्तक की शिक्षा

(B) यंत्रों की शिक्षा

(C) बुद्धि की शिक्षा

(D) हृदय की शिक्षा

Ans -D

20. महात्मा गाँधी के अनुसार उदात्त व बढ़िया शिक्षा क्या है?

(A) आध्यात्मिक शिक्षा

(B) यांत्रिक शिक्षा

(C) अहिंसक प्रतिरोध

(D) साक्षरता

Ans -C

21. शिक्षा के माध्यम से जीवन-संग्राम में क्या आसान से जीतना सीखना चाहिए?

(A) प्रेम से घृणा को

(B) सत्य से अहिंसा को

(C) कष्ट-सहन से हिंसा को

(D) उपर्युक्त सभी को

Ans -D

22. महात्मा गाँधी का जन्म कहाँ हुआ था?

(A) चम्पारण बिहार

(B) बदरघाट पटना

(C) पोरबंदर गुजरात

(D) महू मध्यप्रदेश

Ans -C

23. वकालत की पढ़ाई के लिए गाँधीजी कहाँ गये थे?

(A) दक्षिण अफ्रीका

(B) लंदन

(C) अमेरिका

(D) जापान

Ans -B

24. अहिंसा और सत्याग्रह किनका सबसे बड़ा हथियार था?

(A) अंबेदकर का

(B) सुभाषचन्द्र बोस का

(C) नेहरू का

(D) गाँधीजी का

Ans -D

25. आध्यात्मिक शिक्षा से गाँधी जी का क्या तात्पर्य है?

(A) हृदय की शिक्षा

(B) व्यावहारिक शिक्षा

(C) तकनीकी शिक्षा

(D) कोई नहीं

Ans -A

26. कौन चाहते थे कि सभी देशों की संस्कृति की हवा उनके घर के पास बहती रहे?

(A) राजेन्द्र प्रसाद

(B) नेहरू

(C) महात्मा गाँधी

(D) सरदार पटेल

Ans -C

27. शेक्सपीयर किस भाषा के कवि है?

(A) जर्मन

(B) संस्कृत

(C) ग्रीक

(D) अंग्रेजी

Ans -D

28. टॉल्स्टॉय कौन थे?

(A) हिन्दी लेखक

(B) अंग्रेजी लेखक

(C) रूसी लेखक

(D) फ्रेंच लेखक

Ans -C

29. “मेरा धर्म कैदखाने का धर्म नहीं है।" किसका कथन है?

(A) नेहरू जी का

(B) महात्मा गाँधी का

(C) रवीन्द्रनाथ ठाकुर का

(D) मदर टेरेसा का

Ans -B

30. निम्न में से गाँधी जी की पुस्तक है-

(A) देवप्रिया

(B) हिन्द स्वराज

(C) यदा-कदा

(D) ड्योढ़ी पर अलाप

Ans -B

31. 'मेरा धर्म कैदखाने का धर्म नहीं है।' यह पंक्ति किस शीर्षक पाठ की है?

(A) नौबतखाने में इबादत

(B) आविन्यों

(C) शिक्षा और संस्कृति

(D) जित-जित मैं निरखत हूँ

Ans -C